बी०ए० संस्कृत

सत्र- प्रथम (Semester-I)

आधारभूत पत्र (Core paper) | **संस्कृत नीतिकाव्य** | **पूर्णाङ्क -100**

BSA-C121 | **Sanskrit Didactic Poetry** | **सत्रान्त परीक्षा -60**

आन्तरिक परीक्षा-40

क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत नीतिकाव्यों की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र इसके ज्ञान से छात्र नैतिक मूल्यों को जानने में समर्थ हो सकेंगे।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र नैतिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 हितोपदेश (प्रस्तावना एवं द्वितीय कहानी श्लोक सं० 56 तक)

1. प्राक्कथन (सम्पूर्ण प्रस्तावना), अनुवाद एवं व्याख्या
2. प्रथम एवं द्वितीय कहानी (श्लोक संख्या 56 तक) अनुवाद महत्त्व व्याख्या
3. कवि परिचय

Unit-2 चाणक्य नीति (प्रथम एवं द्वितीय अध्याय)

1. प्रथम अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या ।
2. द्वितीय अध्याय के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या।
3. कवि परिचय

Unit-3 विदुरनीति (20 से 50 श्लोक)

1. विदुरनीति के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या ।
2. कवि परिचय

Unit-4 नीतिशतकम् (1 से 40 श्लोक)

1. नीतिशतकम् के श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

2. भर्तृहरि की सामाजिक समीक्षा, मूर्ख पद्धति

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ ।
2. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. विदुरनीति, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. चाणक्यनीति, साहित्य भण्डार, मेरठ।

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- प्रथम (Semester-I)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतभाषा**	**पूर्णाङ्क -100**
BSG-C121	**Sanskrit Language**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत भाषा की सामान्य जानकारी देना है। इसके माध्यम से छात्र को संस्कृत भाषा एवं संस्कृत शब्दों के ज्ञान से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत शब्द ज्ञान से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन लौकिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO4 इसके अध्ययन से छात्र आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 संस्कृत शब्द ज्ञान (प्रौढ रचनानुवादकौमुदी के अनुसार)

1. संख्या ज्ञान 1-50 संख्या तक
2. विद्यालय वर्ग अध्याय 14, लेखनसामग्री वर्ग अध्याय 15, सम्बन्धिवर्ग अध्याय 18
3. अन्न वर्ग अध्याय 26, भक्ष्यवर्ग अध्याय 27, मिष्टान्नवर्ग अध्याय 28, पानादिवर्ग अध्याय 29, पात्रवर्ग अध्याय 30

Unit-2 हितोपदेश (प्राक्कथन एवं प्रस्तावना को छोडकर मित्रलाभ की प्रारम्भिक दो कहानी श्लोक 56 तक)

1. अनुवाद, व्याख्या और विवेचना

2. कथा का सार एवं महत्त्व

3. कवि परिचय

Unit-3 गीता (सप्तदश अध्याय)

1. श्लोकों की व्याख्या एवं विवेचना

2. गीता परिचय

Unit-4 यक्ष युधिष्ठिर संवाद (प्रारम्भिक 30 श्लोक)

1. श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या

Unit-5 अनुवाद

1. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी के प्रारम्भिक 05 अध्याय
2. यूनिट 1 में दिये गये शब्दों का सामान्य वाक्यों में प्रयोग

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर
2. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।
3. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गीता, सामर्पणभाष्य, चित्रा मुद्रणालय, बुढाना गेट, मेरठ
5. महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. प्रारम्भिक रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- प्रथम (Semester-I)

नैतिकमूल्यपरक पाठ्यक्रम **श्रेष्ठ जीवन एवं नैतिकता** **पूर्णाङ्क -50**

BSA–V121 **सत्रान्त परीक्षा -30**

आन्तरिक परीक्षा-20

सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना तथा संस्कारित करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में संस्कार, पञ्च महायज्ञ तथा संस्कृत साहित्यगत नैतिक मूल्यों को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I मानव जीवन एवं नैतिकता

1 नैतिकता का स्वरूप एवं महत्त्व

2 श्रेष्ठता एवं सफलता का आधार नैतिकता

3 पञ्च महायज्ञ का परिचय एवं महत्त्व

4 संस्कारों का परिचय एवं महत्त्व

Unit-II धर्म एवं नैतिकता

1 धर्म का स्वरूप - मनु० 2/35 , 4/240 - 243, 6-13 , 6/92-94
(क) ब्रह्मचारी के नियम - मनु० 2/177 -183 , 191 -202 , 218
(ख) गायत्री जप विधि - मनु० 2/75 - 85 , 106
2 प्रात: जागरण - मनु० 4/ 92 - 94
3 यम नियम - जीवन एवं समाज में महत्त्व (योग दर्शन द्वितीय पाद के अनुसार)
4 आहार शुद्धि एवं सत्त्व शुद्धि
(क) सात्विक आहार - गीता-4/30, 6/16-17, 9/26-27 , छान्दोग्य उपनिषद् -2/26
(ख) भक्ष्याभक्ष्य मनुस्मृति - 5 / 2, 3, 4, 5 ; 8/ 46, 49, 51

5 भोजन मन्त्र - अन्नपते..... एवं मोघमन्नं विन्दते..... दोनों मन्त्रों का अर्थ सहित स्मरण

Unit-III उन्नतिकारक वेद एवं नीति वचन

1 चाणक्य नीति 5/7 -20 (13 श्लोक) आलस्योपहता विद्या (7 /01- 20) प्रमुख श्लोक

2 विदुर नीति - पण्डित के लक्षण अध्याय 1/20-24

3 साम्मनस्य सूक्त अथर्ववेद 3/30

4 ब्रह्मचर्य सूक्त- प्रमुख मन्त्र अथर्ववेद 11/5 (1-10)

5 अमृत अभिलाषी बालक - (कठोपनिषद् प्रथम वल्ली की कथा)

Unit-IV प्रयोगात्मक

1 नैतिकता प्राप्ति के साधन - ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास

2 प्राणायाम - दीर्घ श्वसन , अनुलोम विलोम अन्त : कुम्भक , बाह्य कुम्भक

3 घर में अतिथि यज्ञ एवं बलिवैश्वदेव यज्ञ का अभ्यास

4 अग्निहोत्र अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पञ्च महायज्ञ विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती,आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती , गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ उत्तर प्रदेश
3. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
4. मनुस्मृति - कुल्लुक भट्ट - टीका , चौखम्भा संस्कृत भवन, पो० बाक्स नंबर 1160 , चौक वाराणसी
5. योग दर्शन - द्वितीय पाद, गीता प्रैस, गोरखपुर
6. चाणक्य नीति- चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विदुर नीति - विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।	PO.4
CO2	मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।	PO.4
CO3	छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6
CO4	छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।	PO.11 एवं 4

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.4, PO.6, PO.11 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- प्रथम (Semester –1)

आधारभूत पत्र (Core paper) **संस्कृत में जीवनप्रबन्धन** **पूर्णाङ्क 50**

BSA-V121 **सत्रान्त परीक्षा : 30**

सत्रीय मूल्याङ्कन : 20

क्रेडिट 02

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section– A) श्रीमद्भगवद्गीता : ज्ञानात्मक और भावात्मक साधन

खण्ड- ख (Section– B) श्रीमद्भगवद्गीता : भक्ति (उपासना) के माध्यम से मन एवं आत्मनियन्त्रण

खण्ड- ग (Section– C) श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन गीता में प्रतिपादित आत्मानुशासन दर्शन का अध्ययन कराना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को पारम्परिक व्याख्यान से अलग स्वयं के अनुभव के आधार पर अनुशासन को समझने तथा सीखने की सामर्थ्य प्रदान करता है तथा गीता के महात्म्य से परिचित कराता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 छात्रों में आत्मनियन्त्रण और संयमित जीवन प्रबन्धनका कौशल विकसित होगा।

CO2 श्रीमद्भगवद्गीता के महत्त्व को समझेंगे।

CO3श्रीमद्भगवद्गीता प्रतिपादित विषयों की सार्वभौमिकता से परिचित होंगे।

CO4 मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक समस्याओं को पहचान सकेंगे तथा उनके समाधान में समर्थ बनेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क(Section – A)

श्रीमद्भगवद्गीता : ज्ञानात्मक और भावात्मक साधन

घटक (Unit) –1 इन्द्रिय, मनस्, बुद्धि और आत्मन् का धर्मतन्त्र (3.42 तथा 15.7), आत्मा की भूमिका (15.7,9) मन की प्रकृतिका परिणाम(फल) 7.4

सत्व, रजस् और तमस् गुणों का धर्म तथा इनका मन पर प्रभाव- अध्याय – 13, श्लोक सं.- 5,6 तथा अध्याय – 14, श्लोक सं.- 5,6,7,8, 11, 12, 13,17

खण्ड-ख(Section – B)

श्रीमद्भगवद्गीता :भक्ति (उपासना) के माध्यम से मन एवं आत्मनियन्त्रण

मनोनियन्त्रण-

घटक (Unit) –1द्वन्द्व की प्रकृति- भ्रम और संघर्ष (1.**1;** 1.**4,**16;अध्याय-1,श्लोक सं.-45;अध्याय –**2**, श्लोक सं.- **6**)

कारणात्मक- अभिकर्ता :-अज्ञान - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-41,इन्द्रिय - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-60 ,मन - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-67 ,रजोगुण - अध्याय – 3, श्लोक सं.-36-39**,** अध्याय – 16, श्लोक सं.-21**;** मन की दुर्बलता- अध्याय – **2**, श्लोक सं.-3, अध्याय – **4,**श्लोक सं.- 5

घटक (Unit-2)मन के नियन्त्रण के उपाय-

(1) ध्यान की कठनाईयाँ :अध्याय – 6, श्लोक सं.-34, 35

(2) **क्रियाविधि** : अध्याय – 6, श्लोक सं.- **11-14**

(2I) **सन्तुलित-जीवन**:अध्याय – 3, श्लोक सं.- **8;** अध्याय – **6**, श्लोक सं.- **16,17**

(IV) **आहार-नियन्त्रण** :अध्याय1-7, श्लोक सं.-8-10

(V) **शारीरिक एवं मानसिक अनुशासन**:अध्याय1-7, श्लोक सं.-14-19**;** अध्याय – 6, श्लोक सं.- **36**

द्वन्द्वयुक्ति के साधन (Means of conflict resolution) –

(1) ज्ञान का महत्त्व :अध्याय – **2**, श्लोक सं.-52**;** अध्याय – 4, श्लोक सं.-38**, 39**

(2) निर्णय लेने की प्रक्रिया: अध्याय – **18,** श्लोक सं.- **63**

(2I) इन्द्रिय(अतिसंवेदन)नियन्त्रण :अध्याय – **2**, श्लोक सं.- 59,64

(IV)कर्त्तृभाव का समर्पण :अध्याय – **18,** श्लोक सं.-1**3**-16**;** अध्याय – 5, श्लोक सं.- 8,9

(V) **निष्काम-भाव** :अध्याय – **2**, श्लोक सं.- 48, 55

(VI) **अनासक्ति** (**Putting others before self) :**अध्याय – **3**, श्लोक सं.- **25**

आत्मनियन्त्रण-

घटक (Unit) –1(1)अहंकार का समर्पण: अध्याय-2,श्लोक सं.-7अध्याय – 9**,**श्लोक सं.-27 ;अध्याय-8,श्लोक सं.-7;अध्याय – 9, श्लोक सं.-55

(2) निरर्थक वाद-विवादों कापरित्याग :अध्याय-**7**,श्लोक सं.-21;अध्याय – **4,**श्लोक सं.-11;अध्याय-**9**,श्लोक सं.-**26**

(3) नैतिक-गुणों की प्राप्ति :अध्याय-**12**,श्लोक सं.- 11 एवं 13-19

संस्तुतग्रन्थाः

1. श्रीमद्भगवद्गीता — मधुसूदनसरस्वतीकृत गूढ़ार्थदीपिका संस्कृतटीका तथा प्रतिभाभाष्य(हिन्दी)सहित,

2. श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार — मदनमोहन अग्रवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1994.

3. श्रीमद्भगवद्गीता — एस० राधाकृष्णन् कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1969.

4. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य और कर्मयोगशास्त्र — बालगङ्गाधर तिलक, अपोलो प्रकाशन, दिल्ली, 2008.

5. SHrimadbhagavadgeeta - English commentary by JayadayalGoyandka, Tattvavivecinee Geeta Press, Gorakhpur, 1997.

6. SHrimadbhagavadgeetaraBSAya - The Hindu Philosophy of Life, Ethics andorKarmayogasBSAtra Religion, Original Sanskrit Stanzas with EnglishTranslation, Bal Gangadhar Tilak &Balchandra Sitaram Sukthankar,J.S.Tilak&S.S.Tilak, 1965.

7. SHrimadbhagavadgeeta - A Guide to Daily Living, English translation and notes by Pushpa Anand, Arpana Publications, 2000.

8. SHrimadbhagavadgeeta - The Scripture of Mankind, text in Devanagari with transliteration in English and notes by Swami Tapasyananda, Sri Ramakrishna Math, 1984.
9. Chinmayananda - The Art of Man Making (114 short talks on theBhagavadgeeta), Central Chinmaya Mission Trust,Bombay, 1991.
10. Panchamukhi, V.R.- Managing One-Self (SHrimadbhagavadgeeta : Theory and Practice), R.S. Panchamukhi Indological Research Centre, New Delhi&AmarGrantha Publications, Delhi, 2001.
11. Sri Aurobindo - Essays on the Geeta, Sri Aurobindo Ashram,a. Pondicherry,1987.
12. Srinivasan, N.K. - Essence of SHrimadbhagavadgeeta : Health & Fitness (commentary on selected verses), Pustak Mahal, Delhi, 2006.

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्रों में आत्मनियन्त्रण और संयमित जीवन प्रबन्धनका कौशल विकसित होगा।	PO5, PO6
CO2	श्रीमद्भगवद्गीता के महत्त्व को समझेंगे।	PO1, PO16
CO3	श्रीमद्भगवद्गीता प्रतिपादित विषयों की सार्वभौमिकता से परिचित होंगे।	PO9
CO4	मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक समस्याओं को पहचान सकेंगे तथा उनके समाधान में समर्थ बनेंगे।	PO5

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assesment)
यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO5, PO6, PO1, PO16, PO9, PO5 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत
द्वितीय सत्र (Semester –II)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतपद्य काव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
BSA-C221	**Sanskrit Poetry**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत पद्य काव्य की जानकारी देना है। इसका मन्तव्य साहित्य की ऐसी समझ प्रदान करना है, जिससे कि विद्यार्थी संस्कृत साहित्य के विकास को समझ सकेंगे। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **रघुवंशमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)

1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग- विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, चरित्र-चित्रण

Unit-II **किरातार्जुनीयमहाकाव्यम्** (प्रथम सर्ग- श्लोक संख्या 1-30)

1. कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय
2. प्रथम सर्ग की विषयवस्तु, श्लोकों का अर्थ एवं अनुवाद, व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता ।

Unit-III **कुमारसम्भवम् (पञ्चम सर्ग 1-30 श्लोक)**

1 कवि तथा उनकी कृतियों का परिचय

2 कुमारसम्भवम् की विषयवस्तु, श्लोकों का अनुवाद एवं व्याख्या, कवि की काव्यात्मक विशिष्टता।

Unit-IV **संस्कृत महाकाव्यों का परिचय**

1. महाकाव्य के लक्षण (साहित्यदर्पण के अनुसार)।
2. महाकाव्यों की उत्पत्ति और विकास- अश्वघोष, कालिदास, भारवि, माघ, भट्टि तथा श्रीहर्ष के विशेष सन्दर्भ में ।

संस्तुत ग्रन्थ

1.कृष्णमणि त्रिपाठी, रघुवंशम्(मल्लिनाथकृत सञ्जीवनीटीका), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
2. नेमिचन्द्र शास्त्री, कुमारसम्भवम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. जनार्दन शास्त्री, भारवि कृत किरातार्जुनीयम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- द्वितीय (Semester –II)

नैतिकमूल्यपरक पाठ्यक्रम **श्रेष्ठ जीवन एवं नैतिकता** **पूर्णाङ्क -50**

Paper BSA–V222 **सत्रान्त परीक्षा -30**

आन्तरिक परीक्षा-20

सकल-अर्जिताधिभार 02

पाठ्यक्रम उद्देश्य -

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत साहित्य में निहित नैतिक मूल्यों से छात्रों को परिचित कराना तथा संस्कारित करना है। एतर्थ इस पाठ्यक्रम में संस्कार, पञ्च महायज्ञ तथा संस्कृत साहित्यगत नैतिक मूल्यों को समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम

CO1 पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।
CO2 मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।
CO3 छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।
CO4 छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I मानव जीवन एवं नैतिकता

1 नैतिकता का स्वरूप एवं महत्त्व

2 श्रेष्ठता एवं सफलता का आधार नैतिकता

3 पञ्च महायज्ञ का परिचय एवं महत्त्व

4 संस्कारों का परिचय एवं महत्त्व

Unit-II धर्म एवं नैतिकता

1 धर्म का स्वरूप - मनु० 2/35 , 4/240 - 243, 6-13 , 6/92-94
(क) ब्रह्मचारी के नियम - मनु० 2/177 -183 , 191 -202 , 218
(ख) गायत्री जप विधि - मनु० 2/75 - 85 , 106
2 प्रात: जागरण - मनु० 4/ 92 - 94
3 यम नियम - जीवन एवं समाज में महत्त्व (योग दर्शन द्वितीय पाद के अनुसार)
4 आहार शुद्धि एवं सत्त्व शुद्धि
(क) सात्विक आहार - गीता-4/30, 6/16-17, 9/26-27 , छान्दोग्य उपनिषद् -2/26
(ख) भक्ष्याभक्ष्य मनु० - 5 / 2, 3, 4, 5 ; 8/ 46, 49, 51

5 भोजन मन्त्र - अन्नपते..... एवं मोघमन्नं विन्दते..... दोनों मन्त्रों का अर्थ सहित स्मरण

Unit-III उन्नतिकारक वेद एवं नीति वचन

1 चाणक्य नीति 5/7 -20 (13 श्लोक) आलस्योपहता विद्या (7 /01- 20) प्रमुख श्लोक

2 विदुर नीति - पण्डित के लक्षण अध्याय 1/20-24

3 साम्मनस्य सूक्त अथर्ववेद 3/30

4 ब्रह्मचर्य सूक्त- प्रमुख मन्त्र अथर्ववेद 11/5 (1-10)

5 अमृत अभिलाषी बालक - (कठोपनिषद् प्रथम वल्ली की कथा)

Unit-IV प्रयोगात्मक

1 नैतिकता प्राप्ति के साधन - ध्यान एवं प्राणायाम का अभ्यास

2 प्राणायाम - दीर्घ श्वसन , अनुलोम विलोम अन्त : कुम्भक , बाह्य कुम्भक

3 घर में अतिथि यज्ञ एवं बलिवैश्वदेव यज्ञ का अभ्यास

4 अग्निहोत्र अनुष्ठान

संस्तुत ग्रन्थ-

1. पञ्च महायज्ञ विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती,आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
2. पञ्च यज्ञ प्रकाश - स्वामी समर्पणानन्द सरस्वती , गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला, मेरठ उत्तर प्रदेश
3. संस्कार विधि - महर्षि दयानन्द सरस्वती, आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट, खारी बावड़ी, दिल्ली
4. मनुस्मृति - कुल्लुक भट्ट - टीका , चौखम्भा संस्कृत भवन, पो० बाक्स नंबर 1160 , चौक वाराणसी
5. योग दर्शन - द्वितीय पाद, गीता प्रैस, गोरखपुर
6. चाणक्य नीति- चौखम्भा प्रकाशन, नई दिल्ली
7. विदुर नीति - विजय कुमार गोविन्दराम हासानन्द, नई सड़क, नई दिल्ली

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	पञ्चमहायज्ञ के स्वरूप से परिचित होंगे।	PO.4
CO2	मानव जीवन में संस्कारों की महत्ता जानेंगे एवं उनके अनुष्ठान में कुशल होंगे।	PO.4
CO3	छात्रों में नैतिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6
CO4	छात्र धर्म के यथार्थ स्वरूप तथा उसके समालोचनात्मक स्वरूप को जानेंगे।	PO.11 एवं 4

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.4, PO.6, PO.11 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- द्वितीय (Semester-II)

नैतिक मूल्यपरक पाठ्यक्रम **संस्कृत में जीवनप्रबन्धन** **पूर्णाङ्क 50**

(Core paper) BSA-V221 **सत्रान्त परीक्षा : 30**

सत्रीय मूल्याङ्कन : 20

क्रेडिट 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का प्रयोजन गीता में प्रतिपादित आत्मानुशासन दर्शन का अध्ययन कराना है। यह पाठ्यक्रम छात्रों को पारम्परिक व्याख्यान से अलग स्वयं के अनुभव के आधार पर अनुशासन को समझने तथा सीखने की सामर्थ्य प्रदान करता है तथा गीता के महात्म्य से परिचित कराता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 छात्रों में आत्मनियन्त्रण और संयमित जीवन प्रबन्धनका कौशल विकसित होगा।

CO2 श्रीमद्भगवद्गीता के महत्त्व को समझेंगे।

CO3श्रीमद्भगवद्गीता प्रतिपादित विषयों की सार्वभौमिकता से परिचित होंगे।

CO4 मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक समस्याओं को पहचान सकेंगे तथा उनके समाधान में समर्थ बनेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (20 अंक) एवं सत्रान्त परीक्षा (30 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन में 10 अंक सत्रीय परीक्षा, 05 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 05 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section– A) श्रीमद्भगवद्गीता : ज्ञानात्मक और भावात्मक साधन

खण्ड- ख (Section– B) श्रीमद्भगवद्गीता : भक्ति (उपासना) के माध्यम से मन एवं आत्मनियन्त्रण

खण्ड- ग (Section– C) श्रीमद्भगवद्गीता में आत्मप्रबन्धन

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड-क(Section – A)

श्रीमद्भगवद्गीता : ज्ञानात्मक और भावात्मक साधन

घटक (Unit) –1 इन्द्रिय, मनस्, बुद्धि और आत्मन् का धर्मतन्त्र (3.42 तथा 15.7), आत्मा की भूमिका (15.7,9) मन की प्रकृतिका परिणाम(फल) 7.4

सत्व, रजस् और तमस् गुणों का धर्म तथा इनका मन पर प्रभाव- अध्याय – 13, श्लोक सं.- 5,6 तथा अध्याय – 14, श्लोक सं.- 5,6,7,8, 11, 12, 13,17

खण्ड-ख(Section – B)

श्रीमद्भगवद्गीता :भक्ति (उपासना) के माध्यम से मन एवं आत्मनियन्त्रण

मनोनियन्त्रण-

घटक (Unit) –1द्वन्द्व की प्रकृति- भ्रम और संघर्ष (1.**1;** 1.**4,**16;अध्याय-1,श्लोक सं.-45;अध्याय –**2**, श्लोक सं.- **6**)

कारणात्मक- अभिकर्ता :-अज्ञान - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-41,इन्द्रिय - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-60 ,मन - अध्याय – **2**, श्लोक सं.-67 ,रजोगुण - अध्याय – 3, श्लोक सं.-36-39**,** अध्याय – 16, श्लोक सं.-21**;** मन की दुर्बलता- अध्याय – **2**, श्लोक सं.-3, अध्याय – **4,**श्लोक सं.- 5

घटक (Unit-2)मन के नियन्त्रण के उपाय-

(1) ध्यान की कठनाईयाँ :अध्याय – 6, श्लोक सं.-34, 35

(2) **क्रियाविधि** : अध्याय – 6, श्लोक सं.- **11-14**

(2I) **सन्तुलित-जीवन**:अध्याय – 3, श्लोक सं.- **8;** अध्याय – **6**, श्लोक सं.- **16,17**

(IV) **आहार-नियन्त्रण** :अध्याय1-7, श्लोक सं.-8-10

(V) **शारीरिक एवं मानसिक अनुशासन**:अध्याय1-7, श्लोक सं.-14-19**;** अध्याय – 6, श्लोक सं.- **36**

द्वन्द्वयुक्ति के साधन (Means of conflict resolution) –

(1) ज्ञान का महत्त्व :अध्याय – **2**, श्लोक सं.-52**;** अध्याय – 4, श्लोक सं.-38**, 39**

(2) निर्णय लेने की प्रक्रिया: अध्याय – **18,** श्लोक सं.- **63**

(2I) इन्द्रिय(अतिसंवेदन)नियन्त्रण :अध्याय – **2**, श्लोक सं.- 59,64

(IV)कर्त्तृभाव का समर्पण :अध्याय – **18,** श्लोक सं.-1**3**-16**;** अध्याय – 5, श्लोक सं.- 8,9

(V) **निष्काम-भाव** :अध्याय – **2**, श्लोक सं.- 48, 55

(VI) **अनासक्ति** (**Putting others before self) :**अध्याय – **3**, श्लोक सं.- **25**

आत्मनियन्त्रण-

घटक (Unit) –1(1)अहंकार का समर्पण: अध्याय-2,श्लोक सं.-7अध्याय – 9**,**श्लोक सं.-27 ;अध्याय-8,श्लोक सं.-7;अध्याय – 9, श्लोक सं.-55

(2) निरर्थक वाद-विवादों कापरित्याग :अध्याय-**7**,श्लोक सं.-21;अध्याय – **4,**श्लोक सं.-11;अध्याय-**9**,श्लोक सं.-**26**

(3) नैतिक-गुणों की प्राप्ति :अध्याय-**12**,श्लोक सं.- 11 एवं 13-19

संस्तुतग्रन्थाः

1. श्रीमद्भगवद्गीता — मधुसूदनसरस्वतीकृत गूढ़ार्थदीपिका संस्कृतटीका तथा प्रतिभाभाष्य(हिन्दी)सहित,
2. श्रीमद्भगवद्गीता, व्याख्याकार — मदनमोहन अग्रवाल, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी, 1994.
3. श्रीमद्भगवद्गीता — एस० राधाकृष्णन् कृत व्याख्या का हिन्दी अनुवाद, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली, 1969.
4. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्य और कर्मयोगशास्त्र — बालगङ्गाधर तिलक, अपोलो प्रकाशन, दिल्ली, 2008.
5. SHrimadbhagavadgeeta - English commentary by JayadayalGoyandka, Tattvavivecinee Geeta Press, Gorakhpur, 1997.
6. SHrimadbhagavadgeetaraBSAya - The Hindu Philosophy of Life, Ethics andorKarmayogasBSAtra Religion, Original Sanskrit Stanzas with EnglishTranslation, Bal Gangadhar Tilak &Balchandra Sitaram Sukthankar,J.S.Tilak&S.S.Tilak, 1965.
7. SHrimadbhagavadgeeta - A Guide to Daily Living, English translation and notes by Pushpa Anand, Arpana Publications, 2000.

8. SHrimadbhagavadgeeta - The Scripture of Mankind, text in Devanagari with transliteration in English and notes by Swami Tapasyananda, Sri Ramakrishna Math, 1984.
9. Chinmayananda - The Art of Man Making (114 short talks on theBhagavadgeeta), Central Chinmaya Mission Trust,Bombay, 1991.
10. Panchamukhi, V.R.- Managing One-Self (SHrimadbhagavadgeeta : Theory and Practice), R.S. Panchamukhi Indological Research Centre, New Delhi&AmarGrantha Publications, Delhi, 2001.
11. Sri Aurobindo - Essays on the Geeta, Sri Aurobindo Ashram,a. Pondicherry,1987.
12. Srinivasan, N.K. - Essence of SHrimadbhagavadgeeta : Health & Fitness (commentary on selected verses), Pustak Mahal, Delhi, 2006.

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्रों में आत्मनियन्त्रण और संयमित जीवन प्रबन्धनका कौशल विकसित होगा।	PO5, PO6
CO2	श्रीमद्भगवद्गीता के महत्त्व को समझेंगे।	PO1, PO16
CO3	श्रीमद्भगवद्गीता प्रतिपादित विषयों की सार्वभौमिकता से परिचित होंगे।	PO9
CO4	मनोवैज्ञानिक एवं भौतिक समस्याओं को पहचान सकेंगे तथा उनके समाधान में समर्थ बनेंगे।	PO5

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assesment)
यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO5, PO6, PO1, PO16, PO9, PO5 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत
तृतीय सत्र (Semester-III)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत नाटक**	**पूर्णाङ्क -100**
BSA- C321	**Sanskrit Dramas**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का ध्येय छात्रों को संस्कृत के प्रमुख नाटकों से अवगत कराना है। इसके माध्यम से छात्र संस्कृत के प्रमुखनाटककारों के नाटकोण को जान सकता है तथा तत्नाटकों में वर्णित तत्कालीन संस्कृति से परिचित होता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।
CO2 इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।
CO3 तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होंगे।
CO4 साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **स्वप्नवासवदत्तम्, अंक : 1 एवं 6**

1 स्वप्नवासवदत्तम् 1 और **6** अंक की विषय-वस्तु, अनुवाद और व्याख्या, चरित्र-चित्रण, लेखक परिचय, भास की भाषाशैली।

Unit-II **अभिज्ञानशाकुन्तलम्, अंक 4**

1 अभिज्ञानशाकुन्तलम्- लेखक-परिचय, चतुर्थ अंक की विषय-वस्तु, व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं व्याख्या।

(ख) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता, कथावस्तु, भाषाशैली।

Unit- III **संस्कृत नाटकों का समालोचनात्मक अध्ययन**

1 (क) संस्कृत नाटकः उत्पत्ति, विकास एवं स्वरूप।

(ख) प्रमुख नाटक और नाटककारों का परिचय- भास, कालिदास, शूद्रक, विशाखदत्त, श्रीहर्ष, भवभूति और भट्टनारायण के विशेष सन्दर्भ में।

संस्तुत ग्रन्थ

1. सुबोधचन्द्र पन्त, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली।
2. सुरेन्द्रदेव शास्त्री, रामनारायण बेनीप्रसाद, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, इलाहाबाद
3.जयपाल विद्यालङ्कार, स्वप्नवासवदत्तम्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
4. कृष्ण मिश्र- प्रबोधचन्द्रोदय,चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इस पत्र के अध्ययन से छात्र संस्कृत नाटकों से परिचित होंगे।।	PO.3
CO2	इससे नाट्यगत अभिनय आदि कलाओं में निपुण होंगे।	PO.10
CO3	तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनैतिक आदि स्थितियों से अवगत होगें।	PO.7, PO.4
CO4	साहित्यिक विश्लेषण में सक्षम होंगे।	PO.12

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.10, PO7, PO.4, PO.312 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी.ए. संस्कृत
तृतीय सत्र (Semester-III)

कौशलविकास पाठ्यक्रम **सर्वाङ्गीण स्वास्थ्यः योग एवं आयुर्वेद** **पूर्णाङ्क -100**
(Skill development course) **सत्रान्त परीक्षा -60**
Paper BSA–S321 **आन्तरिक परीक्षा-40**
सकल-अर्जिताधिभार 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का लक्ष्य **छात्रों को** योग एवं आयुर्वेद का ज्ञान कराना है, जिससे छात्र आयुर्वेद एवं योग के महत्त्व एवं स्वरूप को जानकर सर्वविध स्वास्थ्य को प्राप्त कर सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्त एवं योग को जानने में समर्थ होंगे।
CO2 प्राचीन चिकित्सा पद्धति में कुशलता बढ़ेगी।
CO3 सर्वाङ्गीण स्वास्थ्य रक्षण के महत्त्व को समझेंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I आयुर्वेद एवं स्वास्थ्य

1 सर्वांगीण स्वास्थ्य का स्वरूप

2 आयुर्वेद के अनुसार स्वास्थ्य का स्वरूप

3 सुस्वास्थ्य का आधार एवं उपाय

4 स्वस्थवृत्तम्, आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, अध्याय 05

5 योगशतकम् के अनुसार प्रमुख रोग चिकित्सा श्लोक संख्या से 160

6 योगशतकम् के अनुसार प्रमुख रोग चिकित्सा श्लोक संख्या से अंतिम तक 61

Unit-II योग एवं सुस्वास्थ्य

1 प्रमुख आसन एवं सुस्वास्थ्य - शीर्षासन, सर्वांगासन, हलासन, वज्रासन , पश्चिमोतानासन, मयूरासन, भुजंगासन , मत्स्येन्द्रियासन, मंडूकासन, शशकासन , उत्तानपादासन , पद्मासन ,सिद्धासन , ताड़ासन , सूर्य नमस्कार , गरुडासन

2 प्राण चिकित्सा का महत्त्व - उद्गीथ प्राणायाम - दीर्घ श्वसन, अनुलोम विलोम, बाह्य कुम्भक, अन्तः कुम्भक, भ्रामरी, शीतली

3 मर्म चिकित्सा

4 अवसाद, चिन्ता एवं तनाव मुक्ति के यौगिक उपाय- उद्गीथ प्राणायाम, जप, धारणा एवं ध्यान

5 संकल्प एवं मंत्र चिकित्सा

Unit-III उक्त का क्रियात्मक रूप

सहायक पुस्तकें:

1. आयुर्वेद सिद्धान्त रहस्य, पतञ्जलि योगपीठ, हरिद्वार
2. चरक संहिता नई दिल्ली ,बैंग्लो रोड़ ,जवाहर नगर,चौखम्भा औरन्टालिया -
3. योगशतकम् हरिद्वार ,बहादराबाद ,पतंजलि योगपीठ प्रकाशन -
4. योग संदर्शिका बिहार ,मुंगेर ,बिहार स्कूल ऑफ योगा -
5. योग चिकित्सा बिहार स्कूल -ऑफ योगाबिहार ,मुंगेर ,
6. मर्म चिकित्सा, डा० सुनील जोशी, मृत्युञ्जय शोधसंस्थान, हरिद्वार

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	आयुर्वेद के मौलिक सिद्धान्त एवं योग को जानने में समर्थ होंगे।	PO.3
CO2	प्राचीन चिकित्सा पद्धति में कुशलता बढ़ेगी।	PO.8
CO3	सर्वाङ्गीण स्वास्थ्य रक्षण के महत्त्व को समझेंगे।	PO.18

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.3, PO.8, PO.18 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

सत्र- तृतीय (Semester- III)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृतभाषा**	**पूर्णाङ्क -100**
BSG-C321	**Sanskrit Language**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		क्रेडिट- 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी को संस्कृत भाषा की सामान्य जानकारी देना है। इसके माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा एवं संस्कृत शब्दों के ज्ञान से परिचित कराना है। पाठ्यक्रम का एक उद्देश्य यह भी है कि छात्र भाषा का प्रयोग सम्यक् रूप से करने में समर्थ हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से छात्र संस्कृत शब्द ज्ञान से परिचित होंगे।।

CO2 छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।

CO3 इसके अध्ययन से छात्र प्राचीन लौकिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO4 इसके अध्ययन से छात्र आध्यात्मिक ज्ञान से परिचित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-1 संस्कृत शब्द ज्ञान (प्रौढ रचनानुवादकौमुदी के अनुसार)

1. संख्या ज्ञान 50-100 संख्या तक

2. हजार, लाख, लाख, करोड, अरब एवं खरब का संस्कृत में ज्ञान

4. वृक्ष वर्ग अध्याय 41, पुष्पवर्ग अध्याय 42, फल वर्ग अध्याय 43 एवं 44, गृहवर्ग अध्याय 55, शाकवर्ग अध्याय 34 एवं 35

Unit-2 सन्धि (प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी के अनुसार)

1. स्वर सन्धि- यण्, दीर्घ, गुण, वृद्धि, अयादि

2. व्यञ्जन सन्धि- श्चुत्व, ष्टुत्व, जश्त्व, अनुस्वार, विसर्ग

Unit-3 गीता (षोडश अध्याय)

1. श्लोकों की व्याख्या एवं विवेचना

2. गीता परिचय

Unit-4 रूप स्मरण

1. शब्द रूप- राम, हरि, रमा, फल (सातों विभक्तियों में)

2. धातु रूप- भू, लिख्, पठ, हस्, खेल्, सेव् (लट्, लोट्, लृट्, लङ्, विधिलिङ्)

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. प्रौढ रचनानुवादकौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, नखास चौक, गोरखपुर
2. विष्णुदत्त शर्मा शास्त्री(व्या.), भर्तृहरिकृत नीतिशतकम्, विमलचन्द्रिकासंस्कृतटीका व हिन्दी- व्याख्यासहित, ज्ञानप्रकाशन, मेरठ।
3. हितोपदेश, चौखम्बा प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गीता, सामर्पणभाष्य, चित्रा मुद्रणालय, बुढाना गेट, मेरठ
5. महाभारत, गीता प्रेस, गोरखपुर
6. प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	छात्र संस्कृत पद्य रचना की प्रवृत्ति एवं सिद्धान्तों से परिचित होंगे।।	PO.13
CO2	छात्र संस्कृतभाषा के संरचनात्मक भाषावैशिष्ट्य को जानेंगे।	PO.2
CO3	छात्र प्राचीन सामाजिक स्थिति एवं सांस्कृतिक मूल्यों का ज्ञान प्राप्त करेंगे।	PO.4, PO.7

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.13, PO.2, PO.4, PO.7 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत
चतुर्थ सत्र (Semester- IV)

आधारभूत पत्र (Core paper)	**संस्कृत गद्य काव्य**	**पूर्णाङ्क -100**
BSA-C421	**Sanskrit Prose**	**सत्रान्त परीक्षा -60**
		आन्तरिक परीक्षा-40
		सकल-अर्जिताधिभार 06

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पाठ्यक्रम का लक्ष्य छात्रों को संस्कृत के गद्य साहित्य से परिचित कराना है। इस पाठ्यक्रम में संस्कृत उपन्यास को सम्मिलित किया गया है जिससे विद्यार्थी संस्कृत गद्य की उत्कृष्ट परम्परा से परिचित हो सकें।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इससे छात्र संस्कृतगद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
CO2 छात्र गद्य साहित्य में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।
CO3 संस्कृत वाक्यरचना में प्रवीण होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I **शिवराजविजय प्रथम निश्वास**

1 (क) परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण
(ख) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)
2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता,विषयपरक विश्लेषण
(ख) शिवराजविजय के प्रथम निश्वास में समाज, अम्बिकादत्त व्यास की भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य

Unit-II **सिन्धुवादवृत्तम् (प्रारम्भिक चार यात्राएँ)**

1 (क) परिचय-कवि एवं कृति तथा काल-निर्धारण
(ख) व्याकरणात्मक-विश्लेषण, अनुवाद एवं स्पष्टीकरण (व्याख्या)
2 (क) कवि की काव्यात्मक विशिष्टता,विषयपरक विश्लेषण
(ख) सिन्धुवादवृत्तम् में वर्णित समाज, भाषाशैली, प्रकृतिचित्रण एवं वैशिष्ट्य

संस्तुत ग्रन्थ

1. रमाकान्त झा,शुकनासोपदश, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
4. शिवराजविजय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी
5. शिवराजविजय, साहित्यभण्डार, मेरठ
6. बलदेव उपाध्याय : संस्कृतसाहित्य का इतिहास, शारदा निकेतन, वाराणसी

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इससे छात्र संस्कृतगद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।	PO.16
CO2	छात्र गद्य साहित्य में वर्णित जीवनमूल्यों को जानेंगे।	PO.6
CO3	संस्कृत वाक्यरचना में प्रवीण होंगे।	PO.2

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.16, PO.6, PO2 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।

बी०ए० संस्कृत

चतुर्थ सत्र (Semester- IV)

कौशलविकास पाठ्यक्रम | **वैदिक कर्मकाण्ड** | **पूर्णाङ्क -100**

(Skill development course) | **Vedic Ritual** | **सत्रान्त परीक्षा -60**

Paper BSA–S421 | **आन्तरिक परीक्षा-40**

सकल-अर्जिताधिभार 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य-

इस पत्र का उद्देश्य छात्रों को वैदिक कर्मकाण्ड से परिचित कराना है। इससे छात्र वैदिक कर्मकाण्ड के वास्तविक स्वरूप को जान सकता है। वैदिक कर्मकाण्ड के यथार्थस्वरूप को जानकर स्वरोजगार में प्रवृत्त हो सकता है।

पाठ्यक्रम अध्ययन परिणाम-

CO1 इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।

CO2 कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।

CO3 इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी ।

CO4 इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।

प्रश्नपत्र मूल्यांकन विधि

प्रश्नपत्र का मूल्यांकन आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) तथा सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) के द्वारा होगा। आन्तरिक मूल्यांकन (40 अंक) में 25 अंक सत्रीय परीक्षा, 10 अंक उपस्थिति तथा 05 असाइनमेण्ट के होंगे। सत्रान्त परीक्षा (60 अंक) में प्रश्नपत्र क, ख एवं ग तीन खण्डों में विभक्त होगा। खण्ड क में 05 अतिलघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, सभी प्रश्न अनिवार्य होंगे तथआ प्रत्येक प्रश्न 02 अंक का होगा। खण्ड ख में 06 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ख का प्रत्येक प्रश्न 05 अंक का होगा। खण्ड ग में 05 दीर्घोत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें 03 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। खण्ड ग का प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा।

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Unit-I पञ्चमहायज्ञ स्वरूप एवं महत्त्व

1 पञ्च महायज्ञ विधि एवं महत्त्व
2 ब्रह्म यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व
3 देव यज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व
4 पितृ, अतिथि एवं बलिवैश्वदेवयज्ञ अनुष्ठान विधि एवं महत्त्व

Unit-II वैदिक कर्मकाण्ड

1 गृहप्रवेश विधि

2 व्यापारिक प्रतिष्ठान शुभारम्भ विधि

3 शिलान्यास विधि

4 जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगाँठ विधि

5 श्रावणी उपाकर्म एवं दीपावली यज्ञ विधि

खन्ड (III) संस्कारों की विधि एवं महत्त्व

1 पुंसवन एवं सीमन्तोन्नयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

2 नामकरण संस्कार मुंडन संस्कार विधि एवं महत्त्व

3 अन्नप्राशन संस्कार एवं कर्णवेध संस्कार विधि एवं महत्त्व

4 उपनयन संस्कार विधि एवं महत्त्व

5 विवाह संस्कार विधि एवं महत्त्व

6 अंत्येष्टि संस्कार विधि एवं महत्त्व

संस्तुत ग्रन्थ

1. संस्कार विधि नई सड़क नई दिल्ली ,गोविन्दराम हासानन्द ,महर्षि दयानन्द सरस्वती -

2. संस्कार चंद्रिका ,सत्यव्रत सिद्धान्तालंकार -गोविन्दराम हासानन्दनई सड़क नई दिल्ली ,

3. नित्यकर्म विधि आर्ष साहित्य प्रकाशक ट्रस्ट खरी बावड़ी दिल्ली -

4. संस्कार भास्कर नई सड़क नई दिल्ली ,गोविन्दराम हासानन्द , मदनमोहन विद्यासागर -

Mapping Between Cos and Pos		
	Course Outcomes (COs)	Mapped Programme Outcome
CO1	इसके अध्ययन से वैदिककर्मकाण्ड के महत्त्व को जानेंगे।	PO.4
CO2	कर्मकाण्डविषयक विविध ज्ञान-विज्ञान से परिचित होंगे।	PO.3
CO3	इस पत्र के अध्ययन से छात्रों में रोजगार प्राप्त करने के कौशल में वृद्धि होगी।	PO.8
CO4	इससे छात्रों में आध्यात्मिक मूल्य विकसित होंगे।	PO.6

प्रश्नपत्र अध्ययन परिणाम मूल्यांकन (Course Outcome Assessment)

यह प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम के निर्धारित अध्ययन परिणाम PO.1, PO.3, PO.8, PO.6 को अधिकता से पूर्ण कर रहा है।